æ£pm±pm∑ ûaæ∂, §ĝçæ∔–, ∏þ∑≤∏

Ñªï

{ÏÑ∂∏þ†þ∞ç ûaæ∂ ẁį ẁï pm∑, ∏þ∑≤∏
ûaæ∂ ∂ úæ∂ æaπ þø æ€þÑl

http://www.igau.edu.in
http://www.igau.nic.in

(Project sponsored by IMD,MoES,New Delhi) *0771-2442557*

Patron:Dr. S.K. Patil, Vice Chancellor *Director of Research Services: Dr. J.S. Urkurkar* *Prof. & Head(Agromet): Dr. G.K. Das*
Nodal Officer: Shri J.L. Chaudhary *Research Associate: Sanjay Bhelawe*

Advisory Committee: **Agrometeorology**- Dr.Harsh Vardhan Puranik, **Entomology**-Dr. Sanjay Sharma, Dr.V.K.Dubey
Horticulture-Dr. H.G. Sharma; Dr.G.D.Sahu **Plant Pathology**- Dr. N.Lakpale, Dr. H.K. Singh, **Veg. Science**-Dr. G.L.Sharma, Dr,Gaurav sharma
Agronomy - Dr. H.L. Sonboir, Dr. D. Chandrakar **Animal Science** - Dr.(smt.) N. Kerketta, **FMP** – Er.R.K.Naik ,**SWE**-Er.Dhiraj Khalkho

वर्ष: 26, क्रमांक:74 **दिनांक 15.09.2017**

मौसमपूर्वानुमान)(मुंगेली जिल के लिए)

DISTRICT	DATE	Rainfall	Max temp	Min Temp	Cloud	Max RH	Min RH	Wind	
								Speed	Direction
MUNGELI	16/09/2017	4	32	26	7	95	75	2	SW
MUNGELI	17/09/2017	4	32	25	6	95	75	2	NW
MUNGELI	18/09/2017	12	32	25	7	95	75	4	NW
MUNGELI	19/09/2017	15	33	25	7	95	75	5	NW
MUNGELI	20/09/2017	10	33	25	7	95	80	7	W

मौसम आधारित कृषि सलाह

सामान्य

1. धान फसल नहीं लगाने की स्थिति में कुल्थी, मूंग, उड़द, तोरिया, मक्का, सूरजमुखी, सब्जी, एवं चारे वाली फसलों की बुवाई करें।
2. धान की फसल में माहू एवं तनाछेदक कीटों के लिए खेत में फसल की सतत निगरानी करें। जिन स्थानों पर तना छेदक की तितली 1 वर्ग मी. में एक से अधिक दिखाई दे रही हो वहां कार्बोफ्यूरॉन 33 कि.ग्रा. या फर्टेरा 10 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर के दर से छिड़काव करें। खुला मौसम देखते हुए धान की फसल में निंदाई-गुडाई द्वारा निंदा नियंत्रण कि सलाह दी जाती है।
3. शीघ्र पकने वाली धान की फसल पुष्पन अवस्था में है, यदि उनमें 50 % पुष्पन हो चुका है, तो नत्रजन की तृतीय किश्त का छिडकाव करें।
4. भूरा माहो के नियमित प्रकोप वाले स्थानों पर फोरेट का इस्तेमाल न करें। कीट प्रकोप की तीव्रता होने पर इमिडाक्लोफ्रिड 125 मि.ली. या इथिप्रोल + इमिडाक्लोफ्रिड 150 मि. ली. दवा का उपयोग करें।
5. धान में तना छेदक कीट की निगरानी के लिए फिरोमेन ट्रेप 2-3 प्रति एकड़ का उपयोग करें एवं प्रकोप पाये जाने पर 8-10 फिरोमेन ट्रेप का उपयोग नियंत्रण के लिए करें।

फल एवं सब्जी

1. कद्दूवर्गीय सब्जियों विशेषकर परवल में फल सडन एवं सूखने की समस्या से बचाव हेतु खेतों में सफाई का ध्यान रखें और मेटालेक्सील + मैंन्कोजेब को 2.5 ग्राम प्रति लीटर या कापर आक्सिक्लोराइड (COC) 4 ग्राम प्रति लीटर की हिसाब से छिड़काव करें।
2. पपीते में फल झडन को रोकने हेतु 20 पी.पी.एम की दर से नैफ्थलिन एसीटीक एसीड (एन.ए.ए.) का छिड़काव करें।
3. जून में रोपित मुनगें की फसल एवं पीछले वर्ष रोपित आम के पौधों में सधाई हेतु कांट-छांट करें।
4. फलदार वृक्षों में कटाई-छटाई का कार्य पूर्ण कर लेवें।

5. मध्य कालीन फूलगोभी की रोपण तैयारी पूर्ण कर लें तथा रोपण पूर्व फफूंदनाशी एवं संर्वागी कीटनाशी से जड़ उपचारित अवश्य कर लें।

पशुपालन

1. अधिक संख्या में पशु बाड़े में न रखें। प्रत्येक पशु के लिए समुचित जगह की व्यवस्था रखें। एवं हवादार बाड़े बनायें।
2. उच्च तापमान एवं उमस के कारण पशुओ में डिहाईड्रेशन (निर्जलीकरण) की समस्या हो सकती हैं।
   अत: पशुओ को अधिक से अधिक पानी पिलाये। पानी में नमक मिलाये एवं पानी का बर्तन छायादार जगह में रखे।
3. सितम्बर माह में बकरियों भेड़ों को एंटोरोटोक्सीमिया नामक बीमारी का टीका अवश्य लगवा लें। बढते मेमनों को 6-10 सप्ताह की उम्र में इस बीमारी का टीका लगवाये।